













## संपादकीय

### उम्मीद के पथ पर

**बड़े** संकल्पों से निकले उम्मीद के पथ आखिर शिक्षा के हिस्से में आए गहों से होकर लैटे, तो इस सफर की कहानी में शिक्षा एक बड़ा पात्र होगी। बेशक अंधेरे खालों के लिए विदेश के भ्रमण एक ताज की तरह होगे, लेकिन किसी चांदनी को तोड़कर लाने के लिए यह कारबों छोड़ता है। आखिर हम शिक्षा से बतौर शिक्षक, बदौर अधिकारक, बतौर समाज औ बदौर छात्र चाहते गया हैं। जो बच्चों को चाहिए, उससे कब पूछा गया। जो मा-बाप को चाहिए, उससे स्कूलों का वर्गीकरण हो गया और जो रोजगार को चाहिए, उसके भीतर रोजगार घुस गया। कोई टीचर इसलिए है कि बच्चों वाले रोजगार के अत्यधिक अवसर मिले। हम ढंग से पाठ्यक्रम और पाठ्यक्रम के बीच ढंग से अध्ययन का माहौल नहीं दे सकते, लेकिन बच्चों को तोता बना सकते हैं।

हैरानी यह कि शिक्षा में सफलता के फॉर्मायन के अंत बाजार में बितते हैं। ले लो बेशक अंधेरे खोलने के लिए विदेश के भ्रमण कोइं दुकान कलाकर बता रहा है कि एक ताज की तरह होगी, लेकिन किसी चांदनी को तोड़कर लाने के लिए यह कारबों छोड़ता है। आखिर हम शिक्षा से बतौर शिक्षक, बतौर अधिकारक, बतौर समाज औ बतौर छात्र चाहते गया हैं। जो बच्चों को चाहिए, उससे कब पूछा गया। जो मा-बाप को चाहिए, उससे स्कूलों का वर्गीकरण हो गया और जो रोजगार को चाहिए, उसके भीतर रोजगार घुस गया। कोई टीचर इसलिए है कि बच्चों वाले रोजगार के अत्यधिक अवसर मिले। हम ढंग से पाठ्यक्रम और पाठ्यक्रम के बीच ढंग से अध्ययन का माहौल नहीं दे सकते, लेकिन बच्चों को तोता बना सकते हैं।

हैरानी यह कि शिक्षा में सफलता के फॉर्मायन के अंत बाजार में बितते हैं। ले लो

बेशक अंधेरे खोलने के लिए विदेश के भ्रमण कोइं दुकान कलाकर बता रहा है कि

उसकी अकादमी से सीधे निकल कर

डाक्टर बनोगे और कोई आईआईटी तक

ले जा रहा है। जब ये अध्यापक सिंगापुर

से लौटे, तब भी दिमाचल शिक्षा बोर्ड के

वारिक प्रशिक्षक राज्य स्कूल्यूकन

का खत्तर मंडरा रहा होगा और तब भी

शिक्षा की स्थाजे में कोई बच्चा सोचीएस्ड

या आईसीएसई स्कूल के बाहर अपना

प्रवेश पा रहा होगा। शिक्षा के भीतर

देशीपन है कहाँ जो हम विदेशी फार्मूलों में

उपलब्ध है। अंत में साधा

दिमाचल तो शिक्षा की विधायी

कसरों में शिक्षा विधाया का दस्तूर देखता

है, जिससे भगदड़ की स्थिति होने से अध्ययन का नहीं

देशीपन है कहाँ जो हम विदेशी फार्मूलों में

उपलब्ध है। अंत में साधा

दिमाचल की असफलता की स्थिति में

पैदा हुई मानव निर्मित आपदा है।

हैरानी यह कि शिक्षा में सफलता के फार्मूलों

अब बाजार में बिकते हैं। लेते कोई

दुकान कलाकर बता रहा है कि

उसकी अकादमी से सीधे निकल कर

डाक्टर बनोगे और कोई आईआईटी तक

ले जा रहा है। जब ये अध्यापक सिंगापुर

से लौटे, तब भी दिमाचल शिक्षा बोर्ड के

वारिक प्रशिक्षक राज्य स्कूल्यूकन

का खत्तर मंडरा रहा होगा और तब भी

शिक्षा की सिंगापुर से लौटे, तब भी

हिमाचल शिक्षा बोर्ड के विधिक प्रशिक्षण पर

गार्डियन के बारे में

वारिक प्रशिक्षक राज्य स्कूल्यूकन

का खत्तर मंडरा रहा होगा। शिक्षा के भीतर

रोजगार सुषुप्त है कहाँ जो हम विदेशी

फार्मूलों में अपना सपना पूरा करें।

शाब्दिक रूप से हो गया है कि जादूई स्कूल के

बाहर अपने बच्चों को बदल देता है।

शिक्षा के भीतर

रोजगार सुषुप्त है कहाँ जो हम विदेशी

फार्मूलों में अपना सपना पूरा करें।

शाब्दिक रूप से हो गया है कि जादूई स्कूल के

बाहर अपने बच्चों को बदल देता है।

शिक्षा के भीतर

रोजगार सुषुप्त है कहाँ जो हम विदेशी

फार्मूलों में अपना सपना पूरा करें।

शाब्दिक रूप से हो गया है कि जादूई स्कूल के

बाहर अपने बच्चों को बदल देता है।

शिक्षा के भीतर

रोजगार सुषुप्त है कहाँ जो हम विदेशी

फार्मूलों में अपना सपना पूरा करें।

शाब्दिक रूप से हो गया है कि जादूई स्कूल के

बाहर अपने बच्चों को बदल देता है।

शिक्षा के भीतर

रोजगार सुषुप्त है कहाँ जो हम विदेशी

फार्मूलों में अपना सपना पूरा करें।

शाब्दिक रूप से हो गया है कि जादूई स्कूल के

बाहर अपने बच्चों को बदल देता है।

शिक्षा के भीतर

रोजगार सुषुप्त है कहाँ जो हम विदेशी

फार्मूलों में अपना सपना पूरा करें।

शाब्दिक रूप से हो गया है कि जादूई स्कूल के

बाहर अपने बच्चों को बदल देता है।

शिक्षा के भीतर

रोजगार सुषुप्त है कहाँ जो हम विदेशी

फार्मूलों में अपना सपना पूरा करें।

शाब्दिक रूप से हो गया है कि जादूई स्कूल के

बाहर अपने बच्चों को बदल देता है।

शिक्षा के भीतर

रोजगार सुषुप्त है कहाँ जो हम विदेशी

फार्मूलों में अपना सपना पूरा करें।

शाब्दिक रूप से हो गया है कि जादूई स्कूल के

बाहर अपने बच्चों को बदल देता है।

शिक्षा के भीतर

रोजगार सुषुप्त है कहाँ जो हम विदेशी

फार्मूलों में अपना सपना पूरा करें।

शाब्दिक रूप से हो गया है कि जादूई स्कूल के

बाहर अपने बच्चों को बदल देता है।

शिक्षा के भीतर

रोजगार सुषुप्त है कहाँ जो हम विदेशी

फार्मूलों में अपना सपना पूरा करें।

शाब्दिक रूप से हो गया है कि जादूई स्कूल के

बाहर अपने बच्चों को बदल देता है।

शिक्षा के भीतर

रोजगार सुषुप्त है कहाँ जो हम विदेशी

फार्मूलों में अपना सपना पूरा करें।

शाब्दिक रूप से हो गया है कि जादूई स्कूल के

बाहर अपने बच्चों को बदल देता है।

शिक्षा के भीतर

रोजगार सुषुप्त है कहाँ जो हम विदेशी

फार्मूलों में अपना सपना पूरा करें।

शाब्दिक रूप से हो गया है कि जादूई स्कूल के

बाहर अपने बच्चों को बदल देता है।

शिक्षा के भीतर

रोजगार सुषुप्त है कहाँ जो हम विदेशी









## आईआईटी आईएसएम द्वारा किसानों के लिए एक दिवसीय उपचार कार्यशाला आयोजित

**धनबाद(प्रभात मंत्र संवाददाता):** आईआईटी आईएसएम धनबाद के प्रबंधन अध्ययन और औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग ने प्रौ. रिश्म सिंह के नेतृत्व में सोमवार को जमताड़ा जिले के कर्मांडं प्रखण्ड में किसानों के लिए एक दिवसीय उपचार कार्यशाला सफलतापूर्वक आयोजित की। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य किसानों द्वारा समाज की जाने वाली कृषि समस्याओं, विशेष रूप से मिट्टी की सेहत और पौधों की बीमायों के प्रबंधन पर ध्यान देना था। यह कार्यशाला खारखंड राज्य के जमताड़ा जिले में खेल स्ट्रोट और संचालन अनुसंधान तकनीकों के उपयोग से अनुसूचित जनजाति समुदायों की अर्थिक स्थिति सुधारने नामक परियोजना के अंतर्गत आयोजित की गई थी। इस पहल के माध्यम से किसानों और ग्रामीणों को कृषि से जुड़ी वैज्ञानिक जानकारी और अधिकारियों तकनीकों से अवगत कराया गया, जिससे उनकी अर्थिक स्थिति को बहार बनाना सके। किसानों ने गरीब जानकारी देने के लिए परियोजना की प्रमुख अवधारणाएँ गो. रिश्म सिंह ने विसरास विश्वविद्यालय से दो प्रमुख वैज्ञानिकों को अमात्रिक किया डॉ. अविंद कुमार, जो एक प्रसिद्ध मिट्टी विशेषज्ञ है, ने मिट्टी की सेहत और उसकी उर्वरता बढ़ाने की प्रभावी रणनीतियों पर एक उपयोगी सत्र दिया। साथ ही डॉ. एम.के. बर्नेवल जो पौधों रोग विशेषज्ञ है, ने प्रमुख पौधे रोगों और उनके समाधान पर चर्चा की, जिससे कार्यशाला में अविंद आईटी आईएसएम धनबाद के खारखंड राज्य के लिए एक उपयोगी सत्र दिया। इस उपचार कार्यशाला में अविंद आईटी आईएसएम धनबाद के खारखंड राज्य के प्रमुख विद्यार्थी ने भी भाग लिया।

## जागृत मंदिर में महाशिवरात्रि की भव्य तैयारी, भक्तों में उत्साह

**धनबाद(प्रभात मंत्र संवाददाता):** महाशिवरात्रि के पावन पर्व को भव्य रूप से मनाने के लिए जागृत मंदिर चिरांगा भव्य तैयारियाँ जारी रखे हैं। मंदिर कमिटी एवं श्रद्धालु मिलकर इस शुभ अवसर को यादगार बनाने में जुटे हैं। मंदिर परियोजना का आरंभकांड फूलों, रोशनी और पारंपरिक सजावट से सुसज्जित किया जा रहा है। विशेष पूजा-अर्चना, रुद्राभिषेक और भजन-कीर्तन की योजनाएँ बनाई गई हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जल, प्रसाद एवं सुखा की विशेष व्यवस्थाएँ की गई हैं। मंदिर के सभ सचिव बिल्लु गुप्त ने बताया कि इस वर्ष विशेष महा अरती का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सेकड़े श्रद्धालु भगवान लगें। साथ ही, धार्मिक प्रवर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। सर्वे सेवकों की तैयारी की गई है, ताकि भक्तजन संचार रूप से दर्शन कर सकें। वहीं श्रद्धालुओं में महाशिवरात्रि को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। वे उपवास रखकर, भगवान शिव की आराधना कर इस पर्व को पूरी श्रद्धा से मनाने की तैयारी कर रहे हैं।

## स्ट्रीट लाइट ठीक करने का लेकर सदानंद महतो ने किया प्राचार

**धनबाद(प्रभात मंत्र संवाददाता):** गोमो आरओबी में सुचारू रूप से प्रकाश व्यवस्था को लेकर आजसू पार्टी के जिला संगठन सचिव सदानंद महतो ने एडीएन गोमो-1, डीआरएम-धनबाद तथा इंस्पेक्टर एवं अपरोद्ध गोमो को प्राचारकर कर के बताया कि सोलर स्ट्रीट लाइट

खरब होने से प्रकाश तर हो गई है। उहोंने कहा कि बाहन चालकों, गार्डों एवं रेल यात्रियों को काफी दिक्कतों व परेशनों का सामना करना पड़ रहा है। इस बजाए से मुझे एक चिनाई जब गई है। आगे रेलवे विभाग सज्जन नहीं रही है तो इसकी शिकायत प्रियोरी के संसद चंद्रप्रकाश चौधरी से की जाएगी।

## बड़स गार्डेन स्कूल में स्मारिका विमोचन

**धनबाद(प्रभात मंत्र संवाददाता):** दलूडीह स्थित बड़स गार्डेन ने अपने स्कूल परिवारों का कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में स्कूल परिवारों ने अपने ही विद्यार्थी के पूर्व छात्रों को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जो कि केंद्र व राज्य सरकार के अच्छे संस्थानों में अच्छे पर्याप्त आयोजन है, जो कि कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं एवं अधिकारियों के बीच एक विशेष आकर्षण का बनाया रखे। स्मारिका विमोचन कार्यक्रम में विद्यालय के पूर्व छात्रों के भागीदारी महतो, सब इंस्पेक्टर खारखण्ड पुलिस, बोकारो थारन, शिया चौरसिया, कंपनी सेक्ट्री असिस्टेंट मैनेजर, बंगलुरु, बरस कुमार, असिस्टेंट इंजीनियर भारतीय रेल, करारस, पिथिलेश कुमार, असिस्टेंट ऑफिसर एनटीपीसी, हजरीबाग, निलेश रजवार, असिस्टेंट स्ट्रिक्टिव इंजीनियर, तेनुचाल विद्युत नियम, सुशील कुमार, कुम्हा ब्रूर करतास, दैनिक जागरण, रामगढ़ गोरख, चौपाटी इंजीनियर सीपीडील्यूपी एवं धमरीद ग्राम धमरीद, सब इंस्पेक्टर राजांगन थाना मुख्य अतिथि के रूप में पधारे थे। विद्यालय परिवार की ओर से स्कूल की बच्चियों ने सभी अतिथियों को तिलक लगाकर और शिक्षिकाओं ने इहें पुस्तक कुछ देकर इनका स्वागत किया। सभी अतिथियों द्वारा लीप्र प्रज्ञालित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई इस परिवारों में अधिकारियों और शिक्षिकाओं द्वारा दिए गए संदेश भी गई हैं। साथ ही भविष्य में विद्यालय की योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई है। सभी अतिथि गण स्मारिका के साथ फोटो खिंचवाये और सभा को सबोंधन में अपने स्कूल में बताए हुए पर के बारे में जानकारियां साझा किया, बच्चों को भी आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

**धनबाद(प्रभात मंत्र संवाददाता):** आज धनबाद में कई एनजीओ के सहयोग से धनबाद एनजीओ एसोसिएशन का सफलतापूर्वक गठन किया गया। इस संगठन में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के सदस्य जुड़े, जिनकी भागीदारी से इसे एक परिवार का रूप दिया गया।

समरोह में उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों को अलग-अलग पदों की जिम्मेदारी दी गई, ताकि संगठन को प्रभावी रूप से संचालित किया जा सके। इस संगठन के गठन के लिए सभी विशेष योगदान रहा। उनकी महेनत और समरण से यह संगठन एक मजबूत नींव पर खड़ा हुआ है, जो अपने बाले समाज में सामाजिक कारों को नई दिशा देता। इस अवसर पर धनबाद जिला परिषद अध्यक्ष सारदा सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उहोंने अपने सबोंधन में बन नेशन, बन इलेक्शन के महत्व पर भी प्रकाश डाला और इसे देश की राजनीतिक स्थितियों के लिए अवास्थक बताया। उहोंने कहा कि इस व्यवस्था से देश में बार-बार होने वाले चुनावों की प्रक्रिया को साल बनाया जा सकता है, जिससे विकास कारों तेजी आणी सभी पदाधिकारियों को उनके दायित्वों की जिम्मेदारी दी गई है और संगठन को मजबूत देने का संकल्प लिया गया। यह संगठन समाज के हर वर्ग की सहायता के लिए कार्य करेगा और सामाजिक कारों को बढ़ावा देगा।

**धनबाद(प्रभात मंत्र संवाददाता):** आज धनबाद में कई एनजीओ के संवाददाता ने अपने संवाददाता की विशेष योगदान को प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। यह कार्यशाला एवं समाज की सेहत और पौधों की बीमायों के प्रबंधन पर ध्यान देना था। यह कार्यशाला जिले के कर्मांडं प्रखण्ड में किसानों के लिए एक दिवसीय उपचार कार्यशाला सफलतापूर्वक आयोजित की। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य किसानों द्वारा समाज की जाने वाली कृषि समस्याओं, विशेष रूप से मिट्टी की सेहत और पौधों की बीमायों के प्रबंधन पर ध्यान देना था। यह कार्यशाला जिले के जमताड़ा जिले के कर्मांडं प्रखण्ड में किसानों के लिए एक दिवसीय उपचार कार्यशाला सफलतापूर्वक आयोजित की। इस पहल के माध्यम से किसानों और ग्रामीणों को कृषि से जुड़ी वैज्ञानिक जानकारी और अधिकारियों तकनीकों से अवगत कराया गया, जिससे उनकी अर्थिक स्थिति को बहार बनाने का संकेत सकता है। इस उपचार कार्यशाला में अविंद आईटी आईएसएम धनबाद के खारखण्ड राज्य के लिए एक उपयोगी सत्र दिया। इस पहल के माध्यम से किसानों और ग्रामीणों को कृषि से जुड़ी वैज्ञानिक जानकारी और अधिकारियों तकनीकों से अवगत कराया गया, जिससे उनकी अर्थिक स्थिति को बहार बनाने का संकेत सकता है। इस पहल के माध्यम से किसानों और ग्रामीणों को कृषि से जुड़ी वैज्ञानिक जानकारी और अधिकारियों तकनीकों से अवगत कराया गया, जिससे उनकी अर्थिक स्थिति को बहार बनाने का संकेत सकता है।

**धनबाद(प्रभात मंत्र संवाददाता):** आज धनबाद में कई एनजीओ के संवाददाता ने अपने संवाददाता की विशेष योगदान को प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। यह कार्यशाला एवं समाज की सेहत और पौधों की बीमायों के प्रबंधन पर ध्यान देना था। यह कार्यशाला जिले के कर्मांडं प्रखण्ड में किसानों के लिए एक दिवसीय उपचार कार्यशाला सफलतापूर्वक आयोजित की। इस पहल के माध्यम से किसानों और ग्रामीणों को कृषि से जुड़ी वैज्ञानिक जानकारी और अधिकारियों तकनीकों से अवगत कराया गया, जिससे उनकी अर्थिक स्थिति को बहार बनाने का संकेत सकता है। इस पहल के माध्यम से किसानों और ग्रामीणों को कृषि से जुड़ी वैज्ञानिक जानकारी और अधिकारियों तकनीकों से अवगत कराया गया, जिससे उनकी अर्थिक स्थिति को बहार बनाने का संकेत सकता है।

**धनबाद(प्रभात मंत्र संवाददाता):** आज धनबाद में कई एनजीओ के संवाददाता ने अपने संवाददाता की विशेष योगदान को प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। यह कार्यशाला एवं समाज की सेहत और पौधों की बीमायों के प्रबंधन पर ध्यान देना था। यह कार्यशाला जिले के कर्मांडं प्रखण्ड में किसानों के लिए एक दिवसीय उपचार कार्यशाला सफलतापूर्वक आयोजित की। इस पहल के माध्यम से किसानों और ग्रामीणों को कृषि से जुड़ी वैज्ञानिक जानकारी और अधिकारियों तकनीकों से अवगत कराया गया, जिससे उनकी अर्थिक स्थिति को बहार बनाने का संकेत सकता है। इस पहल के माध्यम से किसानो



